शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादकः संजय बघेल

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

मंगलवार 6 मई 2025 • वर्ष : 10 • अंक : 49 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

महाराष्ट्र के रायगढ़ में बस पलटी, एक यात्री की मौत, 26 घायल

रायगढ़। महाराष्ट्र के रायगढ़ में निजी लग्जरी बस सोमवार दोपहर पलट गई। घटना में एक यात्री की मौत हुई है, 26 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक बस मुंबई से कोंकण जा रही थी। करनाला इलाके ढलान से गुजरने के दौरान बस ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया था। इसके बाद बस पलट गई। घटना के दौरान बस में 49 यात्री सवार थे। मरने वाले यात्री का नाम अमोल तलवाडेकर है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट में दो जवान घायल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर के करेगुट्टा हिल्स के पास आईईडी ब्लास्ट में दो एसटीएफ जवान घायल हो गए। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर भेजा गया है। उनकी हालत अब खतरे से बाहर है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

साउथ मुंबई में कपड़ों के शोरूम में आग लगी

मुंबई। मुंबई नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार सुबह साउथ मुंबई के पेडर रोड इलाके में एक कपड़ों के शोरूम में आग लग गई। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 6.38 बजे शोरूम में आग लगी। हालांकि, हादसे में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। मुंबई नगर निगम ने बताया कि आठ फायर इंजन और कई फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचे। पुलिस, नगर निगम के अधिकारी और अन्य एजेंसियां भी मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

होस्ट समय रैना पर दिव्यांगों का मजाक उड़ाने का आरोप

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट इंडियाज गॉट लेटेंट के होस्ट और स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना और अन्य के खिलाफ कार्रवाई के लिए एक हृल्रह की याचिका पर सुनवाई करेगा। हृल्रह ने समय रैना पर दिव्यांगों का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया है। जिसमें दृष्टिबाधित व्यक्ति और स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) जैसे गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोग शामिल हैं।

गोवा मंदिर में हुई भगदड़ की जांच शुरू

गोवा। गोवा के उत्तरी जिले के श्री लइराई देवी मंदिर में भगदड़ के बाद यात्रा रविवार को भी जारी रही। मंदिर समिति और पुलिस की अपील के बावजूद सैकड़ों श्रद्धालु देवी की प्रतीकात्मक 'घर यात्रा' रस्म में शामिल होने पहुंचे। हादसे में छह लोगों की मौत हुई थी।

मप्र -राजस्थान समेत 26 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट, 7-8 मई के बाद बढ़ेगी गर्मी

देहरादून में बादल फटने से बाढ़

मौसम विभाग ने आज मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश सहित देश के 26 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की चेतावनी जारी की है। राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट और पूर्वी में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

अगले 3 दिन का मौसम कैसा रहेगा?

6 मई : राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश और तेज हवाओं का असर रहेगा। दक्षिण भारत के कर्नाटक और केरल में भी मौसम बिगड़ सकता है।

7 मई : गुजरात, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि के आसार हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में भी भारी बारिश शुरू हो सकती है।

8 मई : महाराष्ट्र, गुजरात और नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट रहेगा। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण भारत में तटीय इलाकों में तेज बारिश हो सकती है।

नई दिल्ली। एजेंसी

आईएमडी ने यूपी-बिहार में ओले गिरने की भी चेतावनी जारी की है। वहीं, दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों के कुछ हिस्सों में तेज बारिश होगी, लेकिन अधिकतम तापमान में और ज्यादा गिरावट होने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, सेंट्रल और नॉर्थ इंडिया में 7-8 मई तक मौसम ऐसा ही बना रहने का अनुमान है। उधर, जयपुर में रविवार को बिजली गिरने से 5 साल की बच्ची की मौत हो गई। सीकर में तेज बारिश के चलते जलभराव हुआ। यूपी के 10 जिलों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। मध्य प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हुई, छतरपुर में एक मोबाइल टावर गिर गया। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, देवास और खंडवा में तेज बारिश के साथ ओले गिरे।

इधर, उत्तराखंड के देहरादून में बादल फटने से सांग नदी में बाढ़ आ गई। इस दौरान कई टूरिस्ट फंस गए। हालांकि, सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। वहीं, चारधाम यात्रा मार्ग पर ऋषिकेश के पास सड़क पर मलवा आने से कुछ देर रास्ता बंद रहा।

बॉर्डर से पाकिस्तानी घुसपैठिया अरेस्ट

पीएम ने रक्षा सचिव से मुलाकात की ; पाकिस्तान का दावा- भारत की रक्षा से जुड़ी वेबसाइट हैक की

पहलगाम/नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। वहीं पिछले दिनों वे एयरचीफ मार्शल एपी सिंह और नेवी चीफ दिनेश कुमार त्रिपाठी से भी मिल चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वायुसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी को युद्ध की तैयारियों पर जानकारी दी। रविवार की इस मीटिंग में बताया कि एयर फोर्स हर हालात से निपटने को तैयार है। पश्चिमी सीमा पर डिफेंस नेटवर्क भी पूरी तरह एक्टिव है और राफेल भी तैयार हैं। इधर, भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ ने पाकिस्तानी नागरिक को अरेस्ट किया है। आरोपी की गिरफ्तारी गांव ठाकुरपुर के पास सीमा पर हुई। आरोपी से पास आईडी कार्ड भी मिला है। जिस पर उसकी पहचान हुसनैन लिखी है और वह गुज्जरांवाला का रहने वाला है। उधर पाकिस्तान ने सोमवार को एक और मिसाइल का टेस्ट किया। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि सतह से सतह पर मार करने वाली इस मिसाइल की रेंज 120 किलोमीटर है। इससे पहले 3 मई को पाकिस्तान ने बताया था कि हमने बैलिस्टिक मिसाइल अब्दाली का सक्सेसफुल टेस्ट किया। इस मिसाइल की रेंज 450 किमी है।

अखनूर में चिनाब नदी का जलस्तर फिर बढ़ा

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में चिनाब नदी का जलस्तर रविवार शाम को एक बार फिर बढ़ गया। इससे पहले पानी कम होने के चलते बड़ी संख्या में लोग नदी के किनारे इकट्ठा हो गए थे। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने माइक से ऐलान करते हुए कहा, चिनाब नदी का जलस्तर फिर बढ़ने वाला है, सभी लोग तुरंत नदी से बाहर आ जाएं। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और नदी के पास जाने से बचने की अपील की है।

पंजाब के गुरदासपुर बॉर्डर पर पाकिस्तानी घुसपैठिया अरेस्ट

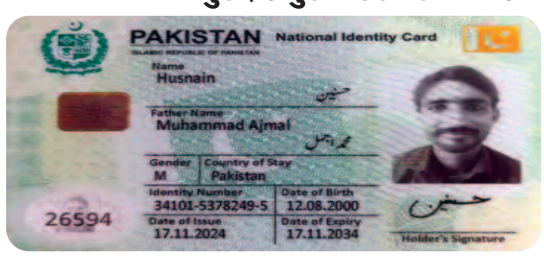

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने पाकिस्तानी नागरिक को अरेस्ट किया है। आरोपी की गिरफ्तारी गांव ठाकुरपुर के पास सीमा पर हुई। आरोपी से पास आईडी कार्ड भी मिला है। जिस पर उसकी पहचान हुसनैन लिखी है और वह गुज्जरांवाला का रहने वाला है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को फोन किया

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही।

घर में घुसकर मारे सरकार

पहलगाम हमले पर बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकी ठिकानों को मिटाना चाहिए। भारत सरकार से हम कहेंगे कि आप कब तक कड़ी निंदा करते रहेंगे।

चीनी राजदूत ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी से मुलाकात की

चीन के राजदूत जियांग झायडोंग ने इस्लामाबाद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात की। बातचीत में हाल ही की घटनाओं और भारत के बयानों पर चिंता जताई गई। चीनी राजदूत ने पाकिस्तान को भरोसा दिलाया कि चीन हर मुश्किल घड़ी में उसके साथ खड़ा है।

पाकिस्तान का दावा- भारत में साइबर अटैक किया, रक्षा से जुड़ी वेबसाइट हैक की

पाकिस्तान साइबर फोर्स नाम के सोशल मीडिया अकाउंट से दावा किया गया कि, पाकिस्तान ने भारत के रक्षा संस्थानों पर साइबर अटैक किया। ये साइबर हमला भारतीय सैन्य इंजीनियरिंग सेवा और मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान पर किया गया। कुछ जवानों की निजी जानकारी भी चुराई है।

कनाडा से 8 लाख हिंदुओं को निकालें : खालिस्तानी

हिंदू विरोधी नारे लगाए, मोदी-शाह के पुतलों को कैदी बनाकर घुमाया

टोरंटो। एजेंसी

कनाडा के टोरंटो में खालिस्तानी समर्थकों ने रविवार को हिंदू विरोधी रैली निकाली। इस रैली में खालिस्तानियों ने 8 लाख हिंदुओं को वापस भारत भेजने के लिए नारे लगाए। यह रैली टोरंटो के मालटन गुरुद्वारे के पास निकाली गई।

इसमें एक बड़े ट्रक पर जेल का मॉडल बनाया गया था और उसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पुतले रखे गए थे। इन पुतलों को कैदी की तरह दिखाया गया था। नॉर्थ अमेरिका में हिंदू समुदायों के संगठन कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने इसे शर्मनाक बताया है।

मंदिर की दीवार पर खालिस्तानी नारे लिखे

पिछले महीने 19 अप्रैल को कनाडा के सरे शहर में लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए थे। मंदिर की बाहरी दीवारों पर स्प्रे पेंट से खालिस्तान जिंदाबाद और फ्री पंजाब के अलावा अन्य भड़काऊ नारे लिखे गए थे।

विधायक ने रिश्वत में लिए 20 लाख रुपए

मौके से एक व्यक्ति लेकर भाग गया था, जयकृष्ण पटेल बोले- मुझे फंसाया जा रहा है

जयपुर। एजेंसी

बागीदौरा (बांसवाड़ा) के भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जयकृष्ण पटेल के रिश्वत में लिए 20 लाख रुपए सोमवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने ने बरामद कर लिए। हालांकि ये कहां मिले, किसके पास मिले, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ। 4 मई को जब एसीबी टीम विधायक के आवास पर पहुंची थी तो एक व्यक्ति ये रुपए लेकर भाग गया था।

इधर, विधायक जयकृष्ण पटेल को एसीबी ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने विधायक और उसके चचेरे भाई को दो दिन की रिमांड पर सौंप दिया। कोर्ट से बाहर आने के बाद विधायक जयकृष्ण पटेल ने कहा- मुझे फंसाया जा रहा है। मैंने ऐसा कुछ नहीं किया। इसके बाद एसीबी टीम विधायक को मुख्यालय लेकर चली गई। वहीं, दूसरी तरफ एसीबी ने विधायक क्वार्टर्स के सभी सीसीटीवी फुटेज को सीज कर लिया है।

विधायक को सरकारी आवास से किया था गिरफ्तार

एसबी ने 4 मई को विधायक जयकृष्ण पटेल को जयपुर के ज्योतिनगर स्थित सरकारी आवास से गिरफ्तार किया था। रविवार शाम से ही एसीबी विधायक के गनमैन, ड्राइवर, ऑफिस वर्कर और सोशल मीडिया देखने वालों से पूछताछ कर रही थी। कल शाम इन्हें दफ्तर लेकर गई थी। देर रात विधायक के स्टाफ को एसीबी ने छोड़ दिया था।

कानपुर में जिंदा जलीं पति-पत्नी और 3 बेटियां

मां से चिपका मिला बेटी का शव, 4 मंजिला बिल्डिंग में लगी थी आग

कानपुर। एजेंसी

कानपुर में रविवार रात 8 बजे एक 4 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में एक परिवार के 5 लोग जिंदा जल गए। मरने वालों में पति-पत्नी और उनकी 3 बेटियां हैं। बिल्डिंग के बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर जूता-चप्पल बनाने का कारखाना था। ऊपर के 4 फ्लोर में दो भाइयों का परिवार रहता था।

आग की शुरुआत ग्राउंड फ्लोर पर कारखाने से हुई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। घर में रखे सिलेंडर, केमिकल और एसी फटने लगे। आग ने 10 से 15 मिनट में पूरी बिल्डिंग को चपेट में ले लिया। मामला चमनगंज थाना क्षेत्र के प्रेम नगर का है। हादसे में कारोबारी मो. दानिश (45), उनकी पत्नी नाजमी सबा (42), बेटी सारा (15), सिमरा (12), इनाया (7) की जलकर मौत हो गई। दानिश और उनके परिवार का शव जिस हालत में अंदर मिला है, उसे देखकर फायर कर्मी तक रोने लगे।

घर के अंदर गए अफसर ने बताया कि एक बेटी का शव मां से लिपटा हुआ मिला। ऐसा लगता है कि मां ने बेटियों को बचाने के लिए खूब कोशिश की। आग लगने के बाद दानिश अपने बुजुर्ग पिता को लेकर बाहर आ गए थे। वह पत्नी और बेटी को लेने वापस अंदर गए, लेकिन आग से बाहर नहीं आ पाए।

दमकल की 20 गाड़ियां पहुंचीं। रात 1.30 बजे लखनऊ से स्क्र्र्न के जवान भी रेस्क्यू के लिए पहुंचे। आग को देखते हुए आसपास की इमारतें खाली कराई गईं। फायर फाइटर्स ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन मकान में केमिकल रखा होने की वजह से आग कंट्रोल नहीं हो पाई।

महाकाल मंदिर परिसर में लगी आग

उज्जैन में दूर से दिखाई दी लपटें, श्रद्धालुओं का प्रवेश रोकना पड़ा ; कर्मचारी के दोनों हाथ झुलसे

उज्जैन। एजेंसी

उज्जैन में महाकाल मंदिर परिसर में कंट्रोल रूम की छत पर आग लग गई। इससे पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के एयर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम की बैटरियां जल गईं। दूर से ही धुआं और आग की लपटें दिखाई दे रही थी। आग लगने के बाद मंदिर में भक्तों का प्रवेश रोकना पड़ा। आग बुझाने के दौरान एक कर्मचारी के दोनों हाथ झुलस गए।

घटना मंदिर के गेट नंबर 1 पर स्थित अवंतिका गेट के कंट्रोल रूम की छत पर हुई। सूचना मिलते ही दमकलें मौके पर पहुंची। कुछ ही देर बाद ही आग पर काबू पा लिया गया। इसके बाद मंदिर के गेट को दोबारा खोल दिया गया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। आग लगने की सूचना मिलते ही कलेक्टर रोशन सिंह, महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक, उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा, नगर निगम कमिश्नर आशीष पाठक सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे।

आग में किसी जनहानि की सूचना नहीं

महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया, कंट्रोल रूम की छत पर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के एयर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम की बैटरी में आग लगी थी, जिस पर तत्काल काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, केवल बैटरियों का ही नुकसान पहुंचा है।

20 दिन पहले यूएस ने 145 प्रतिशत टैरिफ लगाया था

चीन पर टैरिफ को लेकर ट्रम्प का यू-टर्न

वॉशिंगटन। एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इशारा दिया है कि वे चीन पर लगाए गए टैरिफ को कम कर सकते हैं। उन्होंने ये माना कि मौजूदा टैरिफ दरें इतनी ज्यादा हैं कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने एक-दूसरे के साथ व्यापार करना ही बंद कर दिया है।

ट्रम्प ने एनबीसी के एक शो में कहा कि किसी भी समय मैं चीन पर टैक्स घटा दूंगा, क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनके साथ व्यापार करना मुमकिन नहीं होगा और वे व्यापार करना चाहते हैं।

ट्रम्प ने इशारा किया कि चीन की इकोनॉमी इस वक्त मुश्किल में है। वहां फैक्ट्रियों में कामकाज 2023 के बाद से सबसे बुरी हालत में है। एक्सपोर्ट के ऑर्डर भी काफी गिर गए हैं। अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत ट्रम्प ने अमेरिका में सामान बेचने वाले सभी देशों पर 10प्रतिशत टैरिफ लगाया था, लेकिन चीन पर टैरिफ बढ़ाते-बढ़ाते 20 अप्रैल को 145 प्रतिशत तक कर दिया था। बदले में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 125प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया था। इस बीच चीन ने शुक्रवार को पहली बार संकेत दिए कि वो अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार है। वो अमेरिका के साथ ट्रेड डील की संभावना तलाश रहा है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका की ट्रेड बातचीत की पेशकश पर चीन विचार कर रहा है, लेकिन बातचीत तभी शुरू होगी जब ट्रम्प एकतरफा तौर पर लगाए गए।

ट्रम्प बोले- बातचीत की शुरुआत मैं नहीं करूंगा

ट्रम्प ने माना कि चीन पर टैरिफ का असर पड़ा है, फैक्ट्रियां बंद हो रही हैं और बेरोजगारी काफी बढ़ गई है, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि बातचीत शुरू करने के लिए वो पहल नहीं करेंगे। एंकर क्रिस्टन वेल्कर ने पूछा, क्या आप चीन से बातचीत शुरू करने के लिए टैरिफ हटाने वाले हैं? इस पर ट्रम्प ने जवाब दिया, मैं ऐसा क्यों करूं? ट्रम्प ने ये भी कहा कि बीजिंग की तरफ से हाल में कुछ अच्छे संकेत मिले हैं, लेकिन उन्होंने दोहराया कि अमेरिका और चीन के बीच कोई भी डील तभी होगी जब वो बराबरी की होगी।

टैरिफ वॉर से अमेरिका-चीन दोनों को नुकसान

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर ने वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है और इससे मैन्युफैक्चरिंग उपकरणों के साथ-साथ कपड़े और खिलौनों जैसी सस्ती चीजों की कीमतें बढ़ने का खतरा है, जिन पर कई अमेरिकी निर्भर रहते हैं। वहीं, ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की फैक्ट्रियों में कामकाज 2023 के बाद से सबसे बुरी हालत में हैं।

संपादकीय

गलती न दोहराएं

भुवनेश्वर के केआईआईटी में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है, पर पिछली लापरवाही से सबक लेते हुए गहन जांच जरूरी है।

भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नॉलजी (केआईआईटी) में ढाई महीने के भीतर एक और नेपाली छात्रा की मौत होना केवल इस प्राइवेट यूनिवर्सिटी की छवि पर धक्का नहीं है- इससे भारत के विदेशी स्टूडेंट्स को आकर्षित करने के प्रयासों पर भी चोट पहुंची है। ओडिशा पुलिस ने मामला आत्महत्या का बताया है, लेकिन फिर भी केस की गहराई से छानबीन होनी चाहिए। विश्वविद्यालय प्रशासन को इस बार उन गलतियों से बचना होगा, जो फरवरी में हुई थीं।

कूटनीतिक संकट की वजह: 18 साल की छात्रा बीटेक कंप्यूटर साइंस की फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी और उसका शव हॉस्टल रूम में मिला। इससे पहले 16 फरवरी को बीटेक थर्ड ईयर की एक नेपाली स्टूडेंट ने आत्महत्या कर ली थी और उसमें एक छात्र पर प्रताड़ित करने का आरोप लगा था। लेकिन असली दिक्कत हुई विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही से और इसने भारत-नेपाल के बीच कूटनीतिक संकट की स्थिति ला दी थी। तब नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली तक को छात्रा के लिए न्याय की मांग करनी पड़ी थी और इसके बाद कुछ सख्त कदम उठाए गए थे। इस बार ओडिशा सरकार और यूनिवर्सिटी, दोनों पर जिम्मेदारी है कि वैसी नौबत न आए।

नकारात्मक असर से बचाव: भारत सरकार ने 2018 में स्टडी इन इंडिया (स्ढ्ढ) प्रोग्राम शुरू किया, जिसका मकसद है विदेशी स्टूडेंट्स को भारत बुलाना। अब विदेशी छात्र किसी देश में इस भरोसे के साथ जाते हैं कि वहां उन्हें समानता और सुरक्षा के साथ बेहतर शिक्षा हासिल करने का मौका मिलेगा। लेकिन जब एक ही संस्थान में इस तरह की दो घटनाएं हो जाएं, तो भरोसा टूटता है। केआईआईटी का नकारात्मक असर बाकी जगहों पर न पड़े, इसका ख्याल रखना होगा।

टॉप देशों से पीछे: अंतरराष्ट्रीय छात्रों को लुभाने के मामले में भारत वैसे भी बहुत पीछे है। 2021-22 में कुल 46,878 विदेशी स्टूडेंट्स ने ही भारत में एडमिशन के लिए अप्लाई किया था। इसमें सबसे ज्यादा करीब 28त्न स्टूडेंट्स नेपाल से आए थे। पिछले बरसों के मुकाबले यह आंकड़ा बेहतर जरूर हुआ है, लेकिन दुनिया के टॉप एजुकेशन डेस्टिनेशन की तुलना में कुछ भी नहीं। 2024 में अमेरिका में लगभग 11.26, कनाडा में 8.42 और ब्रिटेन में 7.58 लाख विदेशी स्टूडेंट्स पहुंचे थे।

माहौल सुधारना होगा: इन आंकड़ों को सुधारने के लिए देश को शैक्षणिक संस्थाओं के माहौल पर भी ध्यान देना होगा। त्नष्ट की गाइडलाइंस कहती हैं कि सभी शैक्षणिक संस्थान में ऐसी कमिटी होनी चाहिए, जो स्टूडेंट्स की विभिन्न समस्याओं को समझ और उनका निवारण कर सकें।

शुरू में ही यह तथ्य सामने आ गया था कि पहलगाम हमले में लश्कर-ए-तैयबा के एक आनुषंगिक संगठन का हाथ था, लेकिन पाकिस्तान हमेशा की तरह अपना हाथ होने से मना कर रहा है।

भारत ने पाकिस्तान को पहुंचाया बड़ा आर्थिक आघात, जल्द ही निर्णायक कदम उठाएंगे!

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत सावधानी से कदम आगे बढ़ा रहा है। सिंधु जल समझौते को निलंबित करने, हवाई मार्ग बंद करने जैसे फैसलों के बाद अब उसने पाकिस्तान से किसी भी प्रकार के आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। माना जा रहा है कि इससे पाकिस्तान को बड़ा आर्थिक आघात पहुंचेगा। पहलगाम हमले के बाद से देश में आक्रोश है। सरकार भी लगातार बैठकों और मंत्रणाओं के जरिए यह संदेश देने का प्रयास कर रही है कि जल्दी ही वह पाकिस्तान के खिलाफ कोई निर्णायक और कड़ा कदम उठाएगी। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सार्वजनिक मंचों से भरोसा दिला चुके हैं कि वे दोषियों को कड़ी सजा दिला कर रहेंगे।

राष्ट्रीय जांच एजंसी इस हमले की गहन जांच कर रही है। खुफिया एजंसियों ने यह पता लगा लिया है कि आतंकियों ने किस प्रकार हमले को अंजाम दिया। इस हमले में शामिल स्थानीय आतंकियों के मकान ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई की गई है। पाकिस्तान से आए आतंकियों को साथ लेकर हमले को अंजाम दिया गया। पता चला है कि ये वे आतंकी ही थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान बड़ा हमला करने की योजना बनाई थी। दौरा टलने के बाद उन लोगों ने पहलगाम हमले को अंजाम दिया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुख्ता तरीके से अपनी बात रख रहा है भारत

शुरू में ही यह तथ्य सामने आ गया था कि पहलगाम हमले में लश्कर-ए-तैयबा के एक आनुषंगिक संगठन का हाथ था, लेकिन पाकिस्तान हमेशा की तरह अपना हाथ होने से मना कर रहा है। पाकिस्तान की यह आदत रही है कि तमाम तथ्यों और दस्तावेजों के बावजूद उसने आज तक किसी भी घटना में अपनी जमीन के इस्तेमाल होने की बात कबूल नहीं की है। अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के सामने पहलगाम हमले को लेकर भारत पुख्ता तरीके से बात रख रहा है।

वहां की सेना और खुफिया एजंसी आइएसआइ की देखरेख में पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों को प्रशिक्षित करने के शिविर चलाए जा रहे हैं। स्पष्ट है कि पहलगाम हमले को लेकर जवाबी कार्रवाई की तैयारी भारत करेगा ही। यह देख अमेरिका और रूस समेत कई देश भारत और पाकिस्तान से तनाव और न बढ़ाने की अपील कर रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजंसी ने अपनी शुरूआती जांच में पाकिस्तान के खिलाफ कई तथ्य इकट्ठा किए हैं। यह छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजंसी लगातार आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करती रही हैं और उन पर नकेल कसने की मांग बार-बार उठती रही है।

देशों के बीच आवाजादी भी बंद

अपने दुश्मन को केवल बंदूक से परास्त नहीं किया जा सकता। आज की स्थिति में उस पर आर्थिक वार सबसे बड़ा हमला होता है। इस अर्थ में भारत का पाकिस्तान से आयात पर पूर्ण प्रतिबंध ज्यादा कारगर साबित हो सकता है। हालांकि पाकिस्तान से सीधा कारोबार काफी कम हो गया था।

सड़क मार्ग से तिजारत बहुत समय से बंद है, हवाई सेवाएं भी रुकी हुई हैं, पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच वाघा और अटारी सीमा से होने वाली आवाजाही भी बंद हो चुकी है, लेकिन दोनों देशों के बीच तीसरे मुल्क से कारोबार जारी था। भारत ने इस तरह के भी कारोबार पर रोक लगा दी है। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहले से ही बहुत बुरी है, उस पर भारत का ताजा निर्णय गहरी चोट करेगा।

दवा कंपनियां की बेलगाम मुनाफाखोरी का खामियाजा भुगतते हैं आम लोग

ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जिनमें कमजोर या गरीब तबकों के लोग सिर्फ इसलिए किसी गंभीर बीमारी का इलाज ठीक से नहीं करा पाते, क्योंकि उसके इलाज का खर्च वहन करना उनकी क्षमता से बाहर होता है। इलाज में सबसे अहम खर्च दवाओं पर होता है, जिनकी कीमतें कई बार सबकी पहुंच में नहीं होतीं। समूची स्वास्थ्य सेवा के संदर्भ में समय के साथ यह एक बड़ी समस्या बनती गई है। दवाओं की बेलगाम कीमतों को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जाते हैं।

सरकार ने इस मुश्किल से पार पाने के लिए वैकल्पिक उपाय के तौर पर मरीजों के लिए जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने की कोशिशें की हैं, लेकिन अब भी इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं दिखती। दवाओं की कीमतों और कंपनियों की अनैतिक विपणन के चलन पर काबू पाने से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान गत शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चिकित्सक अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों और चिकित्सकों के बीच रिश्वतखोरी से उपजी इस समस्या को रोका जा सकता है।

काफी कम हो सकती है जेनेरिक दवाओं की कीमत

यह छिपा नहीं है कि दवा कंपनियों के दबाव में डाक्टर मरीजों को आमतौर पर महंगी दवाएं लिखते हैं। जबकि उन्हीं रासायनिक मिश्रण से बनी और समान असर वाली उपयोगी जेनेरिक दवाओं की कीमत काफी कम हो सकती है। दरअसल, मरीजों को जरूरत से ज्यादा दवाएं लिखने के एवज में दवा कंपनियां चिकित्सकों को कई तरह की सुविधाएं मुहैया कराती रही हैं, उन्हें प्रकारांतर से रिश्वत भी देती हैं। इस तरह डाक्टरों पर यह दबाव बनता है कि वे मरीजों को किसी खास ब्रांड या कंपनी की ही दवा लेने की सलाह दें। चिकित्सा क्षेत्र में पलते इस भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए सरकारें अक्सर कुछ कदम उठाने की घोषणा करती हैं।

व्यापार

ईवी कंपनी के बोर्ड में शामिल हुए मस्क, शेयर खरीदने की मची लूट, 130 रुपए पर आया भाव

कंपनी के शेयर आज एनएसई पर 7 प्रतिशत तक चढ़ गए और 130 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 121.84 रुपये है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जर बनाने वाली कंपनी सर्वोटेक पावर सिस्टम्स के शेयर की कीमत में आज सोमवार को बंपर तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर आज एनएसई पर 7त्न तक चढ़ गए और 130 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 121.84 रुपये है। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने अपने ग्लोबल सलाहकार बोर्ड में लीडिंग एंटरप्रेन्योर और वर्ल्डवाइड बिजनेस स्ट्रैटेजिस्ट एरोल मस्क को शामिल करने की घोषणा की है।

कंपनी ने क्या कहा?: कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में घोषणा की कि, मस्क ग्लोबल विस्तार, स्थिरता में नेतृत्व और एआई द्वारा संचालित नवाचार के लिए सर्वोटेक की रणनीतिक दृष्टि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति भारत और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में क्रांति लाने के सर्वोटेक के महत्वाकांक्षी ÷विजन 2027÷ उद्देश्य के अनुरूप है। टेक, इंफ्रा और सतत विकास में अपने योगदान के लिए प्रशंसित एरोल मस्क, सर्वोटेक में नेतृत्व टीम को रणनीतिक सलाहकार सहायता प्रदान करेंगे। उनकी जिम्मेदारियों में प्रभावशाली मीडिया संबंधों की देखरेख, निवेशक कनेक्शन का प्रबंधन और सरकारी सहभागिता पहलों को सुविधाजनक बनाना शामिल है। मस्क तुरंत ही अपना सलाहकार पद संभालेंगे, उनकी भारत की पहली यात्रा और अगले कुछ महीनों के लिए रणनीतिक बैठकों की योजना है।

सर्वोटेक पावर सिस्टम्स शेयरों के हाल

सर्वोटेक पावर सिस्टम्स शेयर एनएसई पर ज़124.50 प्रति शेयर पर खुला, शेयर ने ज़130 प्रति शेयर का इंट्राडे हाई और ज़121.58 प्रति शेयर का इंट्राडे लो छुआ। एंजेल वन में इक्विटी तकनीकी और डेरिवेटिव विश्लेषक राजेश भोसले के अनुसार, पिछले कुछ हफ्तों से शेयर की कीमतें साप्ताहिक 89 ईएमए के आसपास एक आधार बनाते हुए एक सीमा में कारोबार कर रही हैं, जबकि हाल ही में वॉल्यूम में तेजी आई है, गति केवल 135 से ऊपर के निरंतर ब्रेकआउट पर ही बढ़ेगी, जिसके बाद अपसाइड 145 तक बढ़ सकता है।

इस साल के अंत तक बिक जाएगा यह सरकारी बैंक!

अधिकारी ने दी जानकारी, क्या है योजना

आज सोमवार को बैंक के शेयर कारोबार के दौरान 1.21 प्रतिशत चढ़कर 80.84 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

आईडीबीआई बैंक के प्राइवेटाइजेशन को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। खबर है कि इस साल के अंत तक इसका विनिवेश हो जाएगा। दरअसल, फाइनेंशियल सर्विस डिपार्टमेंट के सचिव एम. नागराजू ने 5 मई को कहा कि आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी की स्ट्रैटेजिक बिक्री 2025 में पूरी हो जाएगी। आज सोमवार को बैंक के शेयर कारोबार के दौरान 1.21त्न चढ़कर 80.84 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

नागराजू ने क्या कहा?

नागराजू ने फर्स्ट रेजिडेंशियल मॉर्गेज बैक्ड सिक्योरिटी के लिस्टिंग समारोह के दौरान कहा, ÷आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी की बिक्री इस कैलेंडर वर्ष में पूरी हो जाएगी।÷ केंद्र और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) संयुक्त रूप से ऋणदाता में 61 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं, जिसमें सरकार के पास 30.48 प्रतिशत और बीमा फर्म के पास 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है। जनवरी 2023 में, सरकार को बैंक में 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री के लिए कई अभिरुचि पत्र (ईओआई) प्राप्त हुए थे। शॉर्टलिस्ट किए गए बोलीदाता वर्तमान में उचित परिश्रम में लगे हुए हैं। बता दें कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र ने 47,000 करोड़ रुपये का विनिवेश और परिसंपत्ति मुद्रीकरण लक्ष्य रखा है। उम्मीद है कि आईडीबीआई बैंक लेनदेन अन्य विनिवेश योजनाओं के साथ-साथ इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सबसे महत्वपूर्ण योगदानकर्ताओं में से एक होगा।

मार्च तिमाही के नतीजे

आईडीबीआई बैंक का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 2,051 करोड़ रुपये रहा। बैंक का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 1,628 करोड़ रुपये रहा था। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़कर 7,515 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 5,634 करोड़ रुपये रहा था। कुल आय बढ़कर पिछले वित्त वर्ष में 33,826 करोड़ रुपये हो गई, जो 2023-24 में 30,037 करोड़ रुपये थी।

एसबीआई के इस मशीन में पैसे जमा करने पर लगता है चार्ज

अगर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक हैं तो यह खबर आपके काम की है। दरअसल, स्ब्ढ्ढ का एक ऐसा भी नियम है जिसके तहत ग्राहक के बैंक अकाउंट में पैसे जमा होते हैं, चार्ज भी ग्राहक के अकाउंट से ही कटता है। कैश डिपॉजिट मशीन से पैसे जमा करने पर यह चार्ज लगता है।

कैश डिपॉजिट मशीन को ऑटोमेटेड डिपॉजट कम विड्रॉल मशीन के नाम से जाना जाता है। यह एक एटीएम जैसी मशीन है जो आपको एटीएम कम डेबिट कार्ड का उपयोग करके सीधे अपने खाते में कैश जमा करने की अनुमति देती है। आप शाखा में जाए बिना कैश को अपने खाते में तुरंत जमा करने के लिए इस मशीन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कार्ड रहित जमा के लिए प्रति ट्रांजैक्शन लिमिट 49,900/- रुपये है तथा डेबिट कार्ड के माध्यम से 2 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए जरूरी है कि बैंक अकाउंट में पैन नंबर जमा हो। आप अपने पीपीएफ, आरडी और लोन अकाउंट्स में भी कैश जमा कर सकते हैं। एक ही ट्रांजैक्शन में 200 तक करेंसी नोट जमा किये जाने की सुविधा है। यह मशीन 100, 200, 500 रुपये स्वीकार करता है। इस मशीन में फटे हुए नोट स्वीकार नहीं होते हैं। कैश को मोड़ा नहीं जाना चाहिए। कैश स्लॉट में कोई सिक्का नहीं रखा जाना चाहिए। पिन, टेप, धागा, रबर बैंड आदि को कैश के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए, अन्यथा मशीन काम नहीं करेगी।

डिपॉजिट करने का तरीका और चार्ज

डेबिट कार्ड (थर्ड पार्टी अकाउंट) के जरिए 22 रुपये +त्नस्ञ्ज चार्ज लगता है। कार्डलेस ट्रांजैक्शन के लिए 22 रुपये और त्नस्ञ्ज चार्ज लगता है। स्स्र्ढ्ढ इंस्टा डिपॉजिट कार्ड/ बिजनेस डेबिट कार्ड के लिए चार्ज 22 रुपये +त्नस्ञ्ज लगता है।

100 रुपये से कम की कीमत वाला स्टॉक डिमांड में, किया डिविडेंड का ऐलान

100 रुपये से कम की कीमत वाले स्टॉक जीएचसीएल टेक्सटाइल्स के शेयरों की कीमतों में आज तूफानी तेजी देखने को मिली। कंपनी के तिमाही नतीजों से निवेशक काफी खुश दिखाई दे रहे हैं।

100 रुपये से कम की कीमत वाले स्टॉक जीएचसीएल टेक्सटाइल्स के शेयरों की कीमतों में आज तूफानी तेजी देखने को मिली। कंपनी के तिमाही नतीजों से निवेशक काफी खुश दिखाई दे रहे हैं। जीएचसीएल टेक्सटाइल्स ने सोमवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया। कंपनी ने बताया है कि सालना आधार पर उनका नेट प्रॉफिट 38.50 प्रतिशत बढ़ा है। जनवरी से मार्च 2025 के दौरान जीएचसीएल टेक्सटाइल का नेट प्रॉफिट 14.20 करोड़ रुपये रहा है। ऑपरेशन्स से कंपनी का रेवन्यू 283.61 करोड़ रुपये रहा है। जीएचसीएल ने बताया कि सालाना आधार पर कंपनी के रेवन्यू में 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखनने को मिली है। इसी तिमाही नतीजों के साथ जीएचससीएल टेक्सटाइल्स ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है।

एक पर कितने रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी?

जीएचसीएल टेक्सटाइल्स ने शेयर बाजारों को कहा है कि एक शेयर पर 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। कंपनी यह डिविडेंड 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले प्रति शेयर के हिसाब से देगी। कंपनी ने डिविडेंड के लिए अभी रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। अगर एजीएम में डिविडेंड देने पर आमसहमति बनी तो योग्य निवेशकों को यह 21 जुलाई 2025 या उसके बाद भुगतान कर दिया जाएगा। यह दूसरी बार है जब कंपनी डिविडेंड दे रही है। कंपनी ने इससे पहले 2024 में निवेशकों को डिविडेंड दिया था। तब एक शेयर पर कंपनी ने 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया था।

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 6 मई 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

लालबर्रा में सरकारी तालाबों की लूट!

जेसीबी माफिया बेखौफ, जिम्मेदार खामोश, ग्राम बल्हारपुर और धरपीवाड़ा में खुलेआम मुरम-रेत-मिट्टी का अवैध उत्खनन

लालबर्रा। राष्ट्रबाण

छपते - छपते

खबर लिखने के दौरान जानकारी यह भी आई है कि ग्राम मिरेगांव में भी शासकीय तालाब से मनरेगा कार्य के साथ-साथ जेसीबी मशीन का उपयोग कर सरपंच और सचिव द्वारा कार्य कराया जा रहा है जिसकी जांच के लिए ग्रामीणों ने मांग की है। मुरलीखाम में भी देर शाम तक किसी व्यक्ति की निजी भूमि पर जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर से खनन चलता रहा।

क्षेत्र में सरकारी तालाब अब सुरक्षित नहीं बचे हैं। बल्हारपुर ग्राम में जेसीबी माफिया द्वारा दिनदहाड़े सरकारी तालाब से मुरम और मिट्टी का अवैध उत्खनन किया गया, जिसे ट्रैक्टरों के माध्यम से बाहर पहुंचाया जा रहा है। यही नहीं, हाल ही में धरपीवाड़ा ग्राम पंचायत के तालाब में भी इन्हीं माफियाओं द्वारा अवैध उत्खनन करते देखा गया, वह भी बिना किसी डर और प्रशासन की पकड़ से बाहर।

यह गंभीर विषय केवल अवैध उत्खनन का नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और राजस्व क्षति का भी है। शासन ने हर गांव में कोटवार (ग्राम रक्षक) और हल्का पटवारी की नियुक्ति की है ताकि अवैध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। इसके अलावा राजस्व निरीक्षक, तहसीलदार और खनिज विभाग के अधिकारी तैनात हैं जिनका दायित्व है ऐसी हरकतों पर कार्रवाई करना। लेकिन व्यवहार में देखा जाए तो इन सभी की भूमिका केवल कागजों तक सीमित रह गई है।

खनिज विभाग, जिसे खासतौर पर अवैध उत्खनन रोकने के लिए बनाया गया है, पूरी तरह निष्क्रिय नजर आ रहा है। खनिज निरीक्षक और जिला खनिज अधिकारी कुर्सियों से चिपके हुए हैं, आज तक किसी ने उन्हें मौके पर जाकर कार्रवाई करते नहीं देखा। दूसरी ओर, पुलिस प्रशासन भी 'ये हमारे विभाग का मामला नहीं है' कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है।

प्रश्न यह उठता है कि जब इतनी प्रशासनिक व्यवस्थाएं तैनात हैं तो फिर जेसीबी माफिया इतने बेखौफ कैसे? क्या यह सब मिलीभगत का हिस्सा है? या जिम्मेदार विभाग जानबूझकर आंख मूंदे हुए हैं?

जब तक जिला प्रशासन, तहसील और खनिज विभाग मिलकर सख्त कार्रवाई नहीं करते, तब तक सरकारी संसाधनों की यह लूट ऐसे ही चलती रहेगी और शासन की योजनाएं कागज़ों में दम तोड़ती रहेंगी।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने दिखावे की कार्यवाही और सेटिंग कर खोल दी दुकान

अवैध केमीकल गोदाम सील, बिना लाइसेस 41 क्विंटल सल्फर 250 लीटर कीटनाशक मिला जिसमें की थी कार्यवाही

मंडला। राष्ट्रबाण

दुकानदार का लाईसेंस रद्द करने के बजाय सिर्फ चेतावनी देकर छोड़ा

जिला प्रशासन लाख चाह ले कि भ्रष्ट्राचार को रोका जाए मगर उसको रोकने वाले अधिकारी ही लुट मचा रहे है। ऐसा ही एक मामला विगत 05 दिन पहले का है। जिसमें कृषि विभाग मंडला और नैनपुर के अधिकारियों द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक अवैध रूप से संचालित केमिकल इंडस्ट्रीज पर छापा मारा था।

जहां अवैध तरीके से कीटनाशक एवं फ फूंदनाशक दवाइयां पाई गई। इसके साथ अन्य दस्तावेजो की जांच की गई। जिसमें अनियमितता पाई गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए रशियन केमिकल इंडस्ट्री को सील कर दिया गया है इसके साथ ही विक्रय को पूर्णत प्रतिबंधित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार संयुक्त संचालक कृषि जबलपुर संभाग जबलपुर के आदेश अनुसार गठित दल द्वारा 1 मई को रशियन केमिकल इंडस्ट्रीज उमरिया विकासखण्ड नैनपुर जिला मण्डला का निरीक्षण किया गया।

जिसमें पाया गया की गोदाम मे 41 क्विंटल सल्फर 250 लीटर कीटनाशक एवं अन्य 1400 लीटर चिपको एवं अन्य फ फूंदनाशक दवाएं रखी हुई थी जिसके बिल, बिल्टी एवं चालान फर्म के पास नहीं पाए गए हैं। तो कृषि विभाग के संयुक्त दल ने कार्यवाही की और दुकान को शील करने की खाना पूर्ति की और जानकारी के अनुसार नैनपुर कृषि विस्तार अधिकारी और संयुक्त दल के अधिकारियों ने दुकान सील करने का दिखवा किया और खानापूर्ति करके चले गये जिससे साफ होता है। की जिला के अधिकारी जिला प्रशासन के निर्देशों का कितना पालन करते है।

हरियाणा से आकर नैनपुर में कर रहा है। व्यापार रशियन केमिकल इंडस्ट्रीज मुडलाना सोनीपथ, हरियाणा से प्रदेश एवं जिले के अंदर का व्यवसाय करने के लिए संयुक्त संचालक गुण नियंत्रण संचालनालय किसान कल्याण तथा कृषि विकास मप्र भोपाल से 2025 हेतु वैद्य अनुमति भी प्राप्त नहीं होना पाया गया।कमियां पाये जाने पर कीटनाशी अधिनियम 1968 की धारा 4 (1)एवं 1971 के नियम 10 (बी)का उल्लंघन करने पर देवेन्द्र कुमार बारस्कर, इंस्पेक्टर गुण नियंणत्र सह सहायक संचालक कृषि मण्डला एवं टीम द्वारा गोदाम सील करके विक्रय प्रतिबंध किया गया है। केएस नेताम संयुक्त संचालक कृषि एवं मधु अली, उप संचालक कृषि मण्डला को निरीक्षण पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रशियन केमिकल इंडस्ट्रीज उमरिया विकासखण्ड नैनपुर के संचालक रामधन जाट का उर्वरक लाइसेंस निरस्त कर कडी कार्यवाही करने की अनुशंसा की गई हैं।

कृषि विस्तार अधिकारी नैनपुर जानकारी देने को तैयार नहीं

इस बात की कृषि विस्तार अधिकारी नैनपुर जानकारी मांग की गई तो अधिकारी फोन उठाने को तैयार नहीं है। जिससे साफ होता है। की अधिकारियों का संयुक्त दल ने सिर्फ दिखावे की कार्यवाही कर अपना हित साद लिया है। और शासन के सामने सिर्फ कागजों में खाना पूर्ति की है। वहीं जिला के अधिकारी भी जानकारी देने को तैयार नहीं है। जोकि बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है।

नरवाई जलाने पर किसानों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को वापस लेने की मांग

जिला किसान कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

जिला किसान कांग्रेस, नरवाई जलाने के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने ज्ञापन सौंपते हुए।

बैतूल। राष्ट्रबाण

नरवाई जलाने पर किसानों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को वापस लेने की मांग को लेकर जिला किसान कांग्रेस, बैतूल द्वारा राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष रमेश गायकवाड़ ने कहा कि यह अत्यंत दुःख की बात है कि भाजपा सरकार लगातार भोले-भाले किसानों को अपराधी बनाकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा रही है।

रमेश गायकवाड़ ने कहा कि वर्तमान भाजपा शासनकाल में किसानों की हालत बद से बदतर हो चुकी है। एक ओर उन्हें फसलों के वाजिब दाम नहीं मिलते, दूसरी ओर नरवाई जलाने जैसी मजबूरी को अपराध बताकर उन पर एफआईआर दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान आज बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च और खेती के साधनों के लिए जमीन तक बेचने को मजबूर हो गया है।

उन्होंने बताया कि मजदूरों की अनुपलब्धता के कारण गेहूं की कटाई हारवेस्टर से करनी पड़ती है, जिससे नरवाई खेतों में ही बच जाती है। इस नरवाई को नष्ट करने के लिए सुपर सिडर, रोटावेटर जैसे कृषि यंत्रों की आवश्यकता होती है जो 60 एचपी या उससे अधिक क्षमता के ट्रैक्टरों से चलते हैं, जबकि 90 प्रतिशत किसानों के पास छोटे ट्रैक्टर हैं। ऐसे में बिना नरवाई जलाए बोवनी संभव नहीं है।

किसान कांग्रेस का कहना है कि यदि सरकार को किसानों की चिंता होती तो पहले उन्हें प्रशिक्षण देती, नरवाई नष्ट करने के यंत्र उपलब्ध कराती। किसान समझदार है, उसे पर्यावरण के नुकसान का ज्ञान है, लेकिन जब साधन ही न हों तो सरकार से ही सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

रमेश गायकवाड़ ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में किसानों को फसलों के वाजिब दाम, अनुदान, बोनस, सस्ती बिजली, खाद-बीज, शिक्षा व चिकित्सा मिलती थी। किसान आत्मनिर्भर था, लेकिन भाजपा सरकार में सब कुछ महंगा हुआ, किसानों को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी में किसानों की जमा पूंजी पहले ही खत्म हो चुकी है, अब सम्मान निधि बंद करने की धमकी देकर डराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि से अधिक नुकसान उन्हें समर्थन मूल्य न मिलने से हो रहा है। यदि किसानों को सही दाम मिलें तो वे हर प्रकार के आधुनिक कृषि यंत्र खरीद सकते हैं। उन्होंने सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि अनुदान के नाम पर घटिया और बाजार से महंगे उपकरण किसानों को दिए जा रहे हैं। ज्ञापन के माध्यम से किसान कांग्रेस ने मांग की है कि नरवाई जलाने पर किसानों पर दर्ज एफआईआर को तत्काल वापस लिया जाए और सरकार सार्वजनिक रूप से किसानों से माफी मांगे। अन्यथा किसान कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर बड़े आंदोलन की तैयारी करेगी।

ज्ञापन देने वालों में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के सचिव अक्कू पटेल, सरपंच सोनू धुर्वे, उमराव धोटे, रमेश बरडे, परशराम दवंडे, आनंदराव धोटे, बाबूराव गायकवाड, संजू डेंगे, गजा वामनकर, मुन्नालाल, डागा पवार, गणेश धोटे शामिल थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में चंदन नदी में किया श्रमदान

बालाघाट। राष्ट्रबाण

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान की सक्रियता निरंतर क्षेत्र में बनी हुई है। इसी कड़ी में जन अभियान परिषद विकासखंड वारासिवनी द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सिकंदरा एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक और स्नातकोत्तर के सामाजिक कार्यकर्ता छात्रों द्वारा सामूहिक श्रमदान कर जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश प्रसारित किया गया। जिसमे सिकंदरा मोक्षधाम में चंदन नदी के दोनों तट की पॉलीथीन और गाद निकालकर साफ-सफाई की गई और जन जागरूकता का संदेश देने के लिए रैली निकाली गई। इस अवसर पर उपस्थित जनों से चर्चा करते हुए सुरेंद्र कुमार भगत (विकासखंड समन्वयक) ने कहा कि हमें आने वाले समय के लिए जल के विभिन्न स्थानों जैसे कुआं बावड़ी तालाब आदि को बचाने के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक सहभागिता और स्वैच्छिक भाव से प्रयास करना होगा हमें जल की महत्वत्ता सभी ग्रामीण जनों के साथ आपस में चर्चा संवाद कर साझा करना चाहिए। उन्- होंने कहा हमें अपने गांव में अपने घर में अपने परिवार में मोहल्ला में सभी समाज वर्गो के लोगों को जन जागरूकता कर जल है तो कल है और जल ही जीवन है इसके लिए जल संरक्षण करना सोख्ता गड्ढे बनना, जल स्रोतों की साफ सफाई करना, जल संरक्षण के लिए संरचना निर्माण करना, बोरी बंधान करना, पानी व्यर्थ ना बहे इसलिए जन जागरूकता कार्यक्रम करना चाहिए। इस दौरान सभी उपस्थित जनों को जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए शपथ भी दिलाई गई।

नेशनल लोक अदालत 10 मई को

बालाघाट। जिले में शनिवार 10 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए कुल 18 खंडपीठों का गठन किया गया है। जिसमे जिला न्यायालय बालाघाट में 08 खण्डपीठों का गठन किया गया है। वहीं सिविल न्यायालय बैहर के लिए 03 खण्डपीठ, सिविल न्यायालय कंटगी के लिए 01 खंडपीठ, सिविल न्यायालय लांजी के लिए 01 खंडपीठ तथा सिविल न्यायालय वारासिवनी के लिए 05 खंडपीठों का गठन किया गया है।

एक दिवसीय प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यशाला का आयोजन 7 मई को

बालाघाट। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यशाला का आयोजन 07 मई को किया जा रहा है जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र महाप्रबंधक द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम विभाग, द्वारा जारी नवीन नीतियों/ नियमों /योजनाओं तथा भारत सरकार की आरएएमपी योजना का प्रदेश में आयोजित होने वाले विभिन्न स्तरीय कार्यक्रमो में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

आदि गुरु शंकराचार्य की जयंती पर व्याख्यानमाला का हुआ आयोजन

अद्वैत दर्शन और वेदान्त के पुरोधा थे आदि गुरु शंकराचार्य

बालाघाट। राष्ट्रबाण

आदि गुरु शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड वारासिवनी द्वारा सोमवार को शासकीय शंकर साव महाविद्यालय वारासिवनी के व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर आदि गुरु शंकराचार्य जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने कहा कि मप्र जन अभियान परिषद अपने प्रारंभ काल से ही पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ साथ सभी महापुरुषों की जन्म जयंती के अवसर पर महापुरुषों को संपूर्ण समाज को उनके बताए हुए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करता है। वहीं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री शिवनारायण पटेल ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य ने बारह वर्ष में ही संन्यास धारण कर अद्वैत दर्शन और सिद्धांत के लिए चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना कर चारों दिशा में रहने वाले समाज को जोड़ने का काम किया है। उन्- होंने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य अद्वैत दर्शन और वेदान्त के पुरोधा थे। उन्होंने अपने सामाजिक जीवन में अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने सम्पूर्ण भारत वर्ष को एक समरसता के सुत्र में बांध कर समाज के सभी सम्प्रदाय को साथ लाकर जोड़ने का कार्य किया। इसके साथ ही कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे संम्भाग समन्वयक जबलपुर श्री रवि बर्मन ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य का जीवन हम सबके लिए प्रेरणादाई है।

लांजी और हट्टा बावड़ी का जल गंगा संवर्धन अभियान में होगा विशेष कार्य

जंगलों में आग लगाने पर संबधितों पर होगी कड़ी कार्यवाही

बालाघाट। राष्ट्रबाण

कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने जंगलों में लग रही आग पर निगरानी और काबू पाने के लिए वन विभाग को निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि ऐसे मसलों पर संबंधित असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने समय पर फाइलों के प्रस्तुतिकरण के सम्बंध में सभी विभागों को ई-ऑफिस में ही फाइल संचालित करने के लिए कहा गया है। उन्होंने रिकॉर्ड अपडेशन की विभागवार जानकारी लेते हुए कलेक्टर श्री मीना ने राजस्व विभाग को शीघ्र अपडेशन के निर्देश दिए है। उन्होंने वारासिवनी एसडीएम से लालबर्रा और खैरलांजी में रिकॉर्ड अपडेशन की अपडेट स्थिति के बारे में जाना। साथ ही निर्देशित किया कि अपडेशन में पेंडिंग न रखे, इसका निराकरण शीघ्रता से करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री मीना ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए जिन भी विभागों की पेंडेंसी 35 प्रतिशत के नीचे है उन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। बैठक में जिपं सीईओ श्री अभिषेक सराफ, संयुक्त कलेक्टर श्री केसी ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल नायक, श्री एमआर कौल, एसडीएम श्री गोपाल सोनी एवं सभी जिला अधिकारी मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन में विभाग तन्मयता से काम करेंगे

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सम्बंधित विभागों से जल गंगा संवर्धन की अपडेट जानकारी ली गई। उन्होंने पीएचई के कार्यपालन यंत्री श्री उइके से हैंडपंप की कलर कोडिंग को लेकर जानकारी मांगी। चूँकि पूर्व में विभाग को हैंडपम्प की कलर कोडिंग के संबंध में निर्देशित किया गया था। जिसमे बताया गया था कि नीले रंग वाले बढ़िया हैंडपम्प, हरा भरपूर पानी, पीला कम पानी, रेड जल स्तर कम व पेयजल योग्य नही से पहचान की जाएगी। पीएचई के कार्यपालन यंत्री श्री उइके ने बताया कि कलर कोडिंग का कार्य पंचायत के साथ मिलकर किया जा रहा है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 6 मई 2025

सिवनी-बैतूल राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण • मुलताई • बैतूल बाजार • आमला • भैंसादंड • सारणी • बोरदई • आठनेर

पत्रकारों की अधिमान्यता पर सीधी कार्रवाई अब नहीं होगी संभव

एफआईआर के आधार पर अधिमान्यता रद्द करने से पहले सुनवाई अनिवार्य — जबलपुर हाईकोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

बैतूल / जबलपुर। राष्ट्रबाण

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी पत्रकार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने या आपराधिक प्रकरण लंबित होने मात्र से उसकी अधिमान्यता निरस्त नहीं की जा सकती। हाईकोर्ट ने यह आदेश बैतूल के 60 वर्षीय निःशक्त वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर दयाराम पंवार की याचिका पर सुनाते हुए जनसंपर्क विभाग द्वारा अधिमान्यता निरस्त करने के आदेश को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति विशाल धगत की एकल पीठ ने 15 अक्टूबर 2024 को स्पष्ट किया कि अधिमान्यता समाप्त करने से पूर्व नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के अंतर्गत पत्रकार को कारण बताओ नोटिस जारी कर सुनवाई का अवसर देना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि जनसंपर्क विभाग का आदेश एक ÷नॉन-स्पीकिंग ऑर्डर÷ था, जिसमें याचिकाकर्ता को पक्ष रखने का कोई मौका नहीं दिया गया।

महत्वपूर्ण तथ्यः

पत्रकार रामकिशोर पंवार की अधिमान्यता पुलिस अधीक्षक बैतूल और कलेक्टर बैतूल की अनुशंसा पर रद्द की गई थी।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सुशील तिवारी ने दलील दी कि यह आदेश नियमविरुद्ध और नैसर्गिक न्याय के विपरीत है।

अदालत ने अतिरिक्त संचालक जनसंपर्क को नया कारण बताओ नोटिस जारी कर सुनवाई की प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए।

फैसले का व्यापक प्रभाव

इस निर्णय के बाद अब मध्यप्रदेश में किसी भी पत्रकार की अधिमान्यता एफआईआर या आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर सीधे रद्द नहीं की जा सकेगी। पहले उसे नोटिस देकर, उसका पक्ष जानना आवश्यक होगा। यह फैसला प्रदेश के सभी पत्रकारों के लिए कानूनी सुरक्षा का एक मजबूत उदाहरण बनकर सामने आया है।

समय सीमा पर हो समस्त कार्य

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

सिवनी। राष्ट्रबाण

कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन की अध्यक्षता में सोमवार 05 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी एल चनाप, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खण्डे डायत, एसडीएम सुश्री मेघा शर्मा सहित सभी विभागों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे। इसी तरह विभिन्न विभागों के खंडस्तरीय अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े थे।

बैठक में कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन ने सीएम हेल्पलाईन, समय-सीमा में दर्ज प्रकरण, जनसुनवाई आवेदनों के निराकरण स्थिति, विभिन्न आयोग से प्राप्त पत्रों में लंबित कार्यवाही के साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं में प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिये। कलेक्टर सुश्री जैन ने बिना अटेंड किये उच्च लेबल पर पहुंची शिकायतों से संबंधित अधिकारियों का एक-एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये हैं। साथ ही वन विभाग द्वारा निम्न गुणवत्ता से बंद कराई गई शिकायतों को लेकर कारण बताओं नोटिस जारी करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने सी एवं डी रैंकिंग वाले विभागों को अधिकतम शिकायतों को संतुष्टी पूर्ण निराकरण कराते हुए श्रेणी सुधार के निर्देश दिये हैं।

शतप्रतिशत हो एडमिशन

कलेक्टर सुश्री जैन ने बैठक जनजातीय कार्यविभाग के अधिकारियों को विभागीय आश्रमों एवं छात्रावासों में शतप्रतिशत एडमिशन के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने ग्रामवार आवश यकता वाले बच्चों का चिन्हांकन एवं एडमिशन के लिए निर्देशित किया है। कलेक्टर सुश्री जैन ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों के ई-केवायसी की प्रगति की समीक्षा कर शेष रहे हितग्राहियों से संपर्क कर शीघ्रातिशीघ्र ई-केवायसी पूर्ण कराने के निर्देश दिये हैं। इसी तरह समग्र ई-केवायसी में प्रगति लाने के निर्देश सभी सीईओ जनपद एवं सीएमओ को दिया गया है। कलेक्टर सुश्री जैन ने शासकीय विभागों में लागू ई-ऑफिस प्रणाली की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने ई-ऑफिस में सक्रीय हुए विभागों को विभागीय कार्यवाही ई-ऑफिस में निर्धारित मापदंड अनुसार ही संपादित करने के निर्देश दिये हैं।

लोक अदालत के प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सिवनी। राष्ट्रबाण

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार तथा सतीश चन्द्र राय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी के कुशल नेतृत्व में दिनांक 10 मई 2025 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

सतीश चन्द्र राय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बताया कि जिला न्यायालय, परिवार न्यायालय सिवनी तथा तहसील न्यायालय केवलारी, घंसौर, लखनादौन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा तथा नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित सभी प्रकार के समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण एवं धारा 138 एन.आई. एक्ट (चैक बाउंस), मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, श्रम विवाद, विद्युत एवं जलकर, पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, बैंक ऋण की वसूली के प्रकरण, सिविल न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरण एवं अन्य प्रकार के दीवानी प्रकरणों का आपसी सुलह समझौते के माध्यम से निराकरण किया जाएगा। इसी प्रकार प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में बैंक ऋण की वसूली के प्रकरण, विद्युत, जलकर, बी.एस.एन.एल. विभाग के प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु आज दिनांक 5/05/2025 को श्री सतीश चन्द्र राय, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी ने नेशनल लोक अदालत प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी श्री सतीश चन्द्र राय ने बताया कि प्रचार वाहन के माध्यम से नगर क्षेत्र सिवनी के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार किया जाएगा एवं आपसी सुलह समझौते के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण के संबंध में पक्षकारों को जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्रीमती मनीषा बसेर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती कला भम्मरकर, रवि नायक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी आदि उपस्थित रहे।

विधायक प्रतिनिधि जगदीश आहुजा ने माना विधायक का आभार

सारनी। राष्ट्रबाण

आमला-सारनी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के द्वारा जगदीश आहुजा को शासकीय महाविद्यालय बगडोना का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है

विधायक प्रतिनिधि जगदीश आहुजा ने विधायक डॉ. पंडाग्रे के निज निवास बैतूल पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया एवं नियुक्ति हेतु उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया

यह नियुक्ति न केवल आहुजा के सामाजिक योगदान का सम्मान है, बल्कि यह क्षेत्र के शैक्षणिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी माना जा रहा है

जिला जेल में आयोजित हुआ विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं विधिक साक्षरता शिविर

सिवनी। राष्ट्रबाण

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर एवं मध्य प्रदेशराज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन में एवं श्रीमान सतीश चन्द्र राय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी एवं रवि नायक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी, की उपस्थिति में विगत दिवस जिला जेल सिवनी में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में जिला चिकित्सालय सिवनी से आई डॉक्टरों की टीम द्वारा जेल के बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा दवाईयॉ वितरित की गई।

कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी द्वारा नियुक्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्तागण रिशाद खान डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, हीरालाल सनोड़िया असिस्टैंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में उपस्थित हुये तथा उनके द्वारा बंदियों के चल रहे प्रकरणों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में जिला चिकित्सालय सिवनी से डॉ. विनोद नावकर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक सिवनी, डॉ. ललित मर्सकोले चिकित्सा अधिकारी,डॉ. अरविंद उइके दंत चिकित्सक,श्री प्रियेश रोकड़े सर्जिकल विशेषज्ञ, डॉ. योगेश अग्रवाल नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ एवं अन्य तथा जिला जेल सिवनी से एच.एस. आर्मो, जेल अधीक्षक सिवनी, ए.एस. वर्मा, उपजेल अधीक्षक जिला जेल सिवनी, कैलाश नेवारे, सहायक जेल अधीक्षक जिला जेल सिवनी तथा जेल स्टॉफ उपस्थित रहे। डॉक्टरों द्वारा कुल 255 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा इस स्वास्थ्य परीक्षण में कुल 255 बंदीगण लाभान्वित हुये। प्राप्त जानकारी अनुसार स्वास्थ्य परीक्षण शिवर के साथ-साथ जिला जेल सिवनी में विधिक सहायता शिविर का आयोजन भी किया गया।

आयोजित शिविर में अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी सतीश चन्द्र राय द्वारा उपस्थित सभी जेल बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुये बताया गया कि जेल में परिरूद्ध बंदियों को भी संवैधानिक अधिकार प्राप्त है एवं बंदियों को भी निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह प्राप्त करने का अधिकार है। आयोजित लोक अदालतों एवं प्लीबारगेनिंग प्रक्रिया के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण कराया जाएगा।

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के संबंध में आयोजित हुई प्री सिटिंग बैठक

सिवनी। राष्ट्रबाण

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश चन्द्र राय के निर्देशानुसार 10 मई को आयोजित नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु 5 मई को जिला न्यायालय सिवनी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हाल में दोपहर 02 बजे से जिला न्यायालय सिवनी के न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण के साथ ही बीमा कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रवि नायक द्वारा द्वारा आगामी 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित मोटर दुर्घटना दावा के प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण किये जाने हेतु उपस्थित बीमा कंपनी व पक्षकारों के अधिवक्तागण के साथ ही बीमा कंपनी के अधिकारीगणों के साथ चर्चा की गई। उक्त बैठक में अधिवक्तागणों द्वारा अधिक से अधिक प्रकरणों के सहमतिपूर्ण निराकरण हेतु आश्वासन प्रदान किया। बैठक में प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सिवनी श्री लक्ष्मण कुमार वर्मा, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सिवनी बलवीर सिंह धाकड़, विक्रम सिंह डावर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी, अमरीश भारद्वाज न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी, अंशुल ताम्रकार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी, बीमा कंपनी के अधिवक्तागण ठाकुर मंगलसिंह, योगेश मिश्रा, श्रीमती कुसुम गौतम, महेन्द्र चंदेल आदि उपस्थित रहे।

जनपद सीईओ का बयान – जिसे टेंडर नहीं मिला वो तो शिकायत

सामूहिक विवाह में निविदा शर्तों के खिलाफ

बैतूल। राष्ट्रबाण

जनपद पंचायत बैतूल में टेंडर को लेकर चल रहे विवाद ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब जनपद सीईओ ने यह कथन दिया कि जिसको टेंडर नहीं मिला, वह तो शिकायत करेगा। इस बयान को लेकर अब कई सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या कोई भी शिकायत सिर्फ इसलिए खारिज कर दी जानी चाहिए क्योंकि वह असंतुष्ट व्यक्ति ने की है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई जागरूकता संगठन भारत के जिला संगठन मंत्री कन्हैयालाल चौकीकर ने बताया कि उनके द्वारा जो शिकायत की गई है, वह पूरी तरह दस्तावेजों और प्रमाणों पर आधारित है। शिकायत में सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान लगी टेंट सामग्री में भारी अनियमितताओं और प्रक्रियात्मक चूक की बात कही गई है। उन्होंने बताया कि निविदा के अनुसार सामग्री एक जैसी होनी थी, लेकिन मौके पर कहीं 10 फुट की छाया, कहीं राउंड सीलिंग, तो कहीं डोम की फ्रेम पर कपड़ा लगाकर नेट बांधा गया था। कई जगह तिरपाल की जगह रंगीन नेट का उपयोग किया गया, जो निविदा की शर्तों के खिलाफ है।

कन्हैया चौकीकर का कहना है कि शिकायत के बावजूद सीईओ ने सामग्री की जांच जानबूझकर नहीं होने दी, जिससे सच्चाई सामने नहीं आ सकी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास पूरे कार्यक्रम के वीडियो प्रमाण मौजूद हैं, जो उनकी शिकायत की पुष्टि करते हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को शिकायत करने का संवैधानिक अधिकार है और यदि शिकायत तथ्यों व प्रमाणों के साथ की गई हो, तो उसे मात्र असंतोष मानकर खारिज करना प्रशासनिक निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। उनका कहना है कि यदि शिकायत निराधार होती, तो जांच में स्वतः खारिज हो जाती, लेकिन प्रमाणों के साथ की गई शिकायत को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि सवाल यह नहीं है कि शिकायत किसने की, सवाल यह है कि शिकायत में कितना सच है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि शिकायत की निष्पक्ष जांच हो और यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433